योगी बनेंगें प्रधान मंत्री, नरेंद्र मोदी राष्ट्रपति बनेंगे और हरिवंश उप राष्ट्रपति

आज अचानक हुए राजनीतिक उथल-पुथल में आदित्यनाथ योगी प्रधान मंत्री बन गए हैं। नरेंद्र मोदी अब राष्ट्रपति बनेंगे। इस तरह पाकिस्तान में सत्ता बदलने के पहले भारत की सत्ता में बहुत भारी फेरबदल हो गया है। इमरान जब जाएंगे , तब जाएंगे अभी तो मोदी गए। मोदी युग समाप्त , योगी युग शुरु। चाय वाला गया , गाय वाला आया। योगी के प्रधान मंत्री बनने से दुनिया भर के साधु संतों में हर्ष की लहर है। गोरखपुर , अयोध्या , काशी और मथुरा सहित तमाम शहरों में , मंदिरों में घंटे-घड़ियाल बजाए जा रहे हैं। लड्डू बांटे जा रहे हैं। रुस-यूक्रेन युद्ध से ठंडे पड़े भारत के शेयर बाज़ार में भारी उछाल आ गया है। उछाल के सारे रिकार्ड टूट गए हैं। सेंसेक्स और निफ्टी ने रफ्तार पकड़ ली। सेंसेक्स ने 80 हज़ार की रिकार्ड ऊंचाई छू ली है। निफ्टी ने भी अच्छी शुरुआत करते हुए 70 अंकों की बढ़त ले ली। योगी ने अपने प्रधान मंत्री बनने पर मोदी को नमन करते हुए हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया है। योगी ने कहा है कि मोदी जी कड़े और बड़े फ़ैसले के लिए इसी लिए पूरी दुनिया में जाने जाते हैं। हम उन के नेतृत्व में भारत को दुनिया के अव्वल देशों में भारत को खड़ा कर महाशक्ति बनाएंगे। साबित करेंगे कि हम विश्व गुरु थे , हैं और रहेंगे।

अमित शाह अब उप प्रधान मंत्री होंगे। माना जा रहा है कि योगी को नकेल डालने के लिए अमित शाह को उप प्रधान मंत्री बनाया जा रहा है। गृह मंत्रालय और सहकारिता विभाग पूर्व की तरह अमित शाह के पास ही रहेगा। जब कि तमाम जोड़-तोड़ और सारी गणित के बावजूद नीतीश कुमार के उप राष्ट्रपति बनने की उम्मीद पूरी तरह टूट गई है। मोदी ने तय किया है कि नीतीश कुमार नहीं , हरिवंश बनेंगे नए उप राष्ट्रपति। तर्क यह दिया गया है कि हरिवंश , नीतीश की तरह झल्लाते नहीं हैं। बहुत विनम्रता से सख़्त से सख़्त फ़ैसले ले लेते हैं। जो मोदी के मनोनुकूल होते हैं। संभव है नीतीश कुमार केरल के राज्यपाल बनाए जाएं। आरिफ़ मोहम्मद ख़ान को केंद्रीय मंत्रिमंडल में रख कर मुख़्तार अब्बास नक़वी की छुट्टी कर दी जाएगी। राज्यसभा के उप सभापति के लिए किसी नाम पर अभी सहमति नहीं बन पाई है। जब कि राजनाथ सिंह उत्तर प्रदेश के अब नए मुख्य मंत्री होंगे। राजनाथ सिंह ने अपनी तर्जनी दिखाते हुए बताया है कि उन के प्रदेश मंत्रिमंडल में उप मुख्य मंत्री के लिए कोई जगह नहीं होगी। इस का कोई औचित्य भी नहीं है। यह सब हाथी के दांत हैं। दूसरी तरफ केंद्रीय मंत्रिमंडल में भी भारी बदलाव के संकेत हैं। निर्मला सीतारमण , स्मृति ईरानी आदि की छुट्टी तय मानी जा रही है। कुछ एकदम नए चेहरों पर योगी की नज़र है।

अमरीका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने योगी को बधाई देते हुए कहा है कि मिस्टर योगी , रुस के झांसे में हरगिज मत आइएगा। भारत और अमरीका की दोस्ती बहुत तेज़ी से आगे बढ़ रही है। बढ़ती रहनी चाहिए। रुस के राष्ट्रपति पुतिन ने योगी को बधाई देते हुए यूक्रेन को ध्वस्त करने के लिए कुछ बुलडोजर भेजने के लिए रिक्वेस्ट की है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने भी योगी को बधाई देते हुए कुछ बुलडोजर तुरंत भेजने की फरमाइश की है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने योगी को बधाई देते हुए पूछा है कि आप के बुलडोजर क्या कोरोना को भी कुचल कर ध्वस्त कर सकते हैं ? कर सकें तो फौरन भेजें। फ्रांस , जर्मनी , जापान , कनाडा , पोलैंड , नेपाल , भूटान आदि दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्षों के बधाई संदेशों का तांता लगा हुआ है। योगी ने बुलडोजर की अंतरराष्ट्रीय मांग को देखते हुए जे सी बी ग्रुप के चेयरमैन को तलब कर लिया है।

आख़िर वही हुआ जिस का कि अंदेशा था। पर इतनी जल्दी यह सब घट जाएगा , यह बिलकुल उम्मीद नहीं थी। आज सुबह यह सारा राजनीतिक घटनाक्रम बहुत तेज़ी से घटा कि सहसा किसी को यक़ीन नहीं हुआ। मुझे भी नहीं हुआ। पर जब मोदी ने खुद ट्वीट कर योगी को प्रधान मंत्री बनने की बधाई दी तो यक़ीन करना पड़ा। योगी को दूसरी बधाई संघ प्रमुख मोहन भागवत ने दी है। योगी के प्रधान मंत्री बनने पर विपक्षी दलों में मिश्रित प्रतिक्रिया है। कुछ दल खुश हैं कि जैसे भी मोदी जैसे राक्षस से छुट्टी मिली। तो कुछ दल मानते हैं कि योगी , मोदी से बड़ा राक्षस साबित होगा। सोनिया गांधी ने योगी को बधाई देते हुए कहा है कि देश में सांप्रदायिकता का ख़तरा सौ फ़ीसदी बढ़ गया है। मोदी ने गुजरात में जो किया था , योगी अब उसे पूरे देश में दुहराएंगे। राहुल गांधी ने कहा है कि योगी प्रधान मंत्री बन गया अच्छा है। लेकिन क्या वह पेट्रोल का दाम कम करेगा ? डीजल , गैस , बिजली का दाम भी कम करेगा ? मंहगाई , बेरोजगारी का क्या करेगा ?

मुलायम सिंह यादव ने योगी को बधाई देते हुए कहा है कि अखिलेश की बेवकूफियों को भूल जाइए। भूल जाइए कि हम ने कभी आप को जेल भेजा था और संसद में आप को रोना पड़ा था। जैसे मोदी जी ने माफ़ किया था , आप भी माफ़ कर दीजिए। ये सी बी आई , ई डी वग़ैरह का सांप हमारे ऊपर मत छोड़िएगा। मोदी जी की तरह मुझे बचा कर रखिएगा। लालू जी की तरह बुढ़ौती नहीं ख़राब करनी। जेल नहीं जाना। डर लगता है। हम भी आप की तरह गऊ-सेवक हैं। गऊ माता आप का कल्याण करें। हनुमान भक्त हैं। अखिलेश यादव ने भी योगी को बधाई दी है। कहा है कि योगी मुझ से डर कर उत्तर प्रदेश विधान सभा छोड़ कर भाग गए। सामने होते तो हम उन्हें छठी का दूध याद दिला देते। लेकिन व्यक्तिगत रुप से फ़ोन कर अखिलेश ने योगी से कहा , पुराना सारा कहा-सुना माफ़ कर दीजिए। हम पर अपना बुलडोजर मत चढ़ाइएगा। मायावती ने कहा है कि मनुवादी ताक़तों का शासन हमें किसी सूरत मंज़ूर नहीं है। फिर भी बधाई देती हूं। क्यों कि बाबा साहब का संविधान मानती हूं। तेजस्वी यादव ने योगी को बधाई देते हुए कहा है कि सामाजिक न्याय की राह में एक पत्थर और आ गया।

अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि यह सब हमारे ख़िलाफ़ साज़िश है। मोदी और योगी दोनों मिले हुए हैं। केंद्र में हमारी सरकार कभी नहीं बन पाए इसी लिए मोदी ने यह पैतरा खेला है। मोदी जानते थे कि उन के अच्छे दिन अब जाने वाले हैं सो हमारे भी अच्छे दिन आने पर उन्हों ने लगाम लगाई है। लेकिन हम रुकने वाले नहीं हैं। दिल्ली नगर निगम नहीं है , केंद्र की गद्दी। हम अब योगी के ख़िलाफ़ बुलडोजर फ़ाइल्स नाम से एक फ़िल्म बनवाएंगे। फिर देखते हैं , योगी कैसे टिकते हैं। हम टिकने नहीं देंगे किसी

को। न मोदी को , न योगी को। शरद यादव ने योगी को फ़ोन कर प्रार्थना करते हुए एक भावुक अपील की है कि आप गो सेवक हैं , हम भी यदुवंशी हैं। हमारा ख़याल रखिएगा। हमारा घर मत ख़ाली करवाइएगा। इस लिए भी कि अपनी बीमारी ठीक करने के लिए आज कल में मैं भी सुबह-शाम गोमूत्र का सेवन शुरु करने वाला हूं। आप को गऊ-माता की क़सम है।

शरद पवार ने प्रधान मंत्री बनने की उम्मीद अब पूरी तरह छोड़ दी है। फिर भी योगी को बधाई देते हुए कहा है कि अमित शाह से सहकारिता मंत्री शीघ्र से शीघ्र वापस ले लें। महाराष्ट्र के मुख्य मंत्री उद्धव ठाकरे ने योगी को बधाई देते हुए कहा है कि हमारा झगड़ा मोदी के अहंकार से था , अब ख़त्म हुआ। हम भी आप की तरह हिंदुत्व वाले हैं। शिवा जी वाले हैं। सब भूल कर हमारी सरकार को समर्थन दे दीजिए। पवार , कांग्रेस से छुट्टी मिले तो इन के दांत खट्टे करें। बहुत हो गया। ममता बनर्जी ने कहा है कि योगी को हम बधाई देता है लेकिन उस को बंगाल में हम घुसने नहीं देगा। ममता बनर्जी ने एक महत्वपूर्ण बात और कही है कि योगी को बहुत ख़ुश होने का ज़रुरत नहीं है। क्यों कि यह फ़ैसला , देश को राष्ट्रपति प्रणाली की तरफ ले जाने की फ़ासिस्ट कोशिश है। मोदी बंगाल पर हमला करना चाहता है। हम को मिटाना चाहता है। लेकिन मोदी कुछ भी कर ले , हम हरगिज मिटेगा नहीं। फ़ारुख़ अब्दुल्ला और महबूबा मुफ़्ती ने संयुक्त बयान जारी कर कहा है कि कभी 370 , कभी कश्मीर फ़ाइल्स और अब यह योगी हमारे ऊपर थोप दिया गया है। मुसलमानों के साथ , मुल्क़ के साथ यह गद्दारी है। हमारे जीने के अधिकार हम से एक-एक कर छीने जा रहे हैं। आख़िर कब तक छीनते रहेंगे ?

उधर इमरान ख़ान ने कहा है कि इंडिया ने पाकिस्तान को डराने के लिए योगी को प्राइम मिनिस्टर बनाया है। नवाज़ शरीफ़ ने लंदन में बैठ कर यह सब करवाया है। हमारी सरकार को अस्थिर करने के लिए। मोदी हो या योगी , कश्मीर हम नहीं छोड़ेंगे। और जब हम अमरीका से नहीं डरे तो योगी से क्यों डरेंगे। अमरीका की आंख में , रुस और चीन की आंख में धूल झोंकते आए हैं , मोदी को भी उल्लू बनाते रहे तो योगी क्या चीज़ है। मोदी छोटे दिमाग का हो कर बड़ा पद पा गया था। योगी का तो दिमाग और क़द दोनों छोटा है। अगर मैं प्राइम मिनिस्टर बना रह गया तो योगी को भी चूहा बना दूंगा। पाकिस्तान के आगे वह है क्या। बाकी कौन प्रधान मंत्री बनता है , कौन राष्ट्रपति , यह भारत का अंदरुनी मामला है। मुझे इस से क्या। बस कश्मीर की आज़ादी की लड़ाई जारी रहेगी।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के महामंत्री डी राजा ने कहा है इंडिया बड़ी तेज़ी से फ़ासिस्ट बनता जा रहा है। इंडिया अब सवर्णों के चंगुल में है। अब हिंदू राष्ट्र बनाने के आर एस एस के सपनों को पंख लग गए हैं। पर हम सारे पंख काट लेंगे। क्षत्रिय राज नहीं चलने देंगे। राजतंत्र हरगिज नहीं चलने देंगे इंडिया में। अतुल अंजान ने कहा कि हम इसे प्राइम मिनिस्टर ही नहीं मानते। प्रलेस , जलेस , जसम जैसे लेखक संगठनों ने संयुक्त विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि मोदी राज में तो असहिष्णुता और अभिव्यक्ति के ही ख़तरे थे पर योगी राज में तो सांस लेने के भी ख़तरे बढ़ गए हैं। मुक्तिबोध की कविता अब अभिव्यक्ति के सारे ख़तरे / उठाने ही होंगे। / तोड़ने होंगे ही मठ और गढ़ सब। को कोट करते हुए कहा है कि योगी के गोरखपुर जा कर संभावित संसदीय उप चुनाव में रावण को साझा उम्मीदवार बना कर योगी की ज़मानत ज़ब्त करवा देंगे। फिर देखेंगे कैसे यह फासिस्ट और हत्यारा प्रधान मंत्री बना रहता है। ईंट से ईंट बजा देंगे। भगवा राज और हिंदू आतंकी की हम पूरी ताक़त से निंदा करते हैं। दुनिया भर के प्रगतिकामी ताक़तों को संगठित कर इस भगवा आतंक से हम लड़ेंगे। अप्रैल , 2022 के बाद की कविता

में हम इस का पर्दाफ़ाश करेंगे। मनुवादी ताक़तों की धज्जियां उड़ा देंगे। आज़ादी ले कर रहेंगे। हिंदू राष्ट्र नहीं बनने देंगे , हिंदुस्तान को।

सपा सांसद शफीकुर्रहमान बर्क ने कहा , इस से बुरा कुछ नहीं हो सकता मुल्क़ के लिए। यह बहुत ही बुरा हुआ। भाजपा अब बर्दाश्त से बाहर हो गई है। असदुद्दीन ओवैसी ने कहा है कि जागो मुसलमानो , अब से जागो। योगी और मोदी को जैसे भी हो भगाओ। देश के तमाम मुस्लिम संगठनों और मौलवियों ने योगी के प्रधान मंत्री बनने पर भारी अफ़सोस जताया है। उधर जेल से आज़म खान संयुक्त राष्ट्र संगठन को चिट्ठी लिख कर कहा है कि इंडिया में मुसलमानों का रहना अब मुश्किल हो गया है। मुसलमानों के सारे मौलिक अधिकार छीन लिए गए हैं। एक भगवाधारी , हिंदुत्ववादी को प्राइम मिनिस्टर बना कर लोकतंत्र का गला घोट दिया गया है। दुनिया की सभी ताक़तें फौरन दखल दें। योगी से कुछ सेक्यूलर पत्रकारों ने पूछ लिया है कि आप क्या देश में मुसलमानों को नहीं चाहते ? योगी ने कहा कि बिलकुल चाहते हैं। एक पत्रकार ने पूछा है कि कितना चाहते हैं आप मुसलमानों को ? योगी ने हंस कर जवाब दिया है , जितना वह मुझे चाहते हैं , उतना ही हम उन्हें चाहते हैं।

जो भी हो , यह तो होना ही था। जब 2017 में योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री बने थे तभी मैं ने कयास लगाया था कि योगी को उत्तर प्रदेश का मुख्य मंत्री बना कर नरेंद्र मोदी ने अपने ऊपर ही वार कर लिया है। क्यों कि योगी को जानने वाले जानते हैं कि योगी अब मुख्य मंत्री पद पर ही नहीं रुकने वाले। निश्चित रुप से योगी , मोदी को रिप्लेस कर प्रधान मंत्री बनेंगे। पर 2022 में ही योगी प्रधान मंत्री बन जाएंगे , यह किसी को उम्मीद नहीं थी। माना जा रहा था कि हो न हो योगी 2024 या 2026 तक प्रधान मंत्री बन सकते हैं। पर वह कहते हैं न कि राजनीति अनिश्चितताओं का खेल है। राजनीति सर्वदा एक संभावना है। राजनीति सर्वदा संभावनाओं का खेल है। सो योगी जी को भी बधाई प्रधान मंत्री बनने की और मोदी जी को भी बधाई राष्ट्रपति बनने की। हरिवंश जी को बधाई उप राष्ट्रपति बनने की। नीतीश कुमार को राज्यपाल बनने की और राजनाथ सिंह को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनने की बधाई !

हां , रवीश कुमार ने एक टवीट कर बताया है कि मोदी के फ़ैसले हमेशा ही से जन विरोधी रहे हैं। जैसे नोटबंदी , जी एस टी , और 370 हटाए जाने जैसा ही यह फ़ैसला भी काला फ़ैसला है। इस का विरोध करने के लिए आज वह अपना प्राइम टाइम स्क्रीन काला कर दिखाएंगे। इस ख़बर का बायकाट करेंगे। और बहुत सारी ख़बरें हैं दिखने के लिए। देखने के लिए। तो आप ही बताइए हुज़ूरे आला , यह मनहूस ख़बर क्यों देखी और दिखाई जाए। होश खोए सेक्यूलर चैम्पियंस में रवीश की बात से जोश आ गया है। अरुंधती राय ने कहा है कि फासिस्ट ताकतों और भगवा आतंकियों का मुकाबला इसी प्रतिरोध और इसी बायकॉट के साथ किया जा सकता है।

यह सारा घटना क्रम बड़ी तेज़ी से सुबह-सुबह ही घटा। मोदी ने आज सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठ कर योगी को फोन किया और तुरंत दिल्ली पहुंचने के लिए कहा। इस बीच मोदी ने प्रधान मंत्री पद से अपना इस्तीफ़ा , राष्ट्रपति को सौंप दिया।योगी के दिल्ली पहुंचते ही भाजपा संसदीय दल की बैठक हुई। योगी भाजपा संसदीय दल के नेता चुने गए। और इस तरह आनन-फानन योगी को प्रधान मंत्री पद की शपथ दिलवा दी गई। मोदी ने योगी से साफ कह दिया है कि अब आगे अपना मंत्रीमंडल खुद तय कर

लें। अपनी मर्जी का। उत्तर प्रदेश की तरह यहां उन के हाथ-पांव नहीं बांधे जाएंगे। न कोई थोपा जाएगा। यह सब कुछ जब घट रहा था तो संयोग से मैं सो रहा था। अभी-अभी उठा हूं। तो सोचा आप सभी को एक अप्रैल की बधाई दे दूं !

(1 अप्रैल पर विशेष)

साभार- https://sarokarnama.blogspot.com/2022/03/blog-post_61.html से